<u>श्री हरेन्द्र दास जी :– ग्राम विकास समिति सदस्य द0 मुसहरी ने फैलायी वर्षा जल की जाल</u>

खगड़िया कचहरी कैम्पस में मौजूद थे **श्री हरेन्द्रदास जी**, वर्षा हो रही थी। वकील साहब के सेड के उपर अच्छा सा पोलिथिन लगा था। बस दुकान से ग्लास लिया और पानी भरकर पी लिया। यह सब देखकर उपस्थित लोगों ने पुछने लगा भाई आप चापाकल का पानी नहीं पीकर वर्षा का पानी क्यों पीया। तब हरेन्द्र दास जी शुद्ध पानी के सवाल पर उपस्थित लोगों को बताने लगे। उन्होंने लोगों को बताया कि आपके चापाकल में अनेकों तत्व मिल रहे हैं। जिसके चलते 80 प्रतिशत बीमारी होती है। मुझे दो साल का अनुभव है कि हमारी **गैस्टीक और चक्कर** आना दोनों ठीक हो गया। हमारे परिवार ही नहीं हमारा समाज भी स्वस्थ रहने लगा हे। हम मेघ पाईन अभियान के सदस्य भी हैं। गन्दा पानी ही बीमारी का जड़ होता है। तब लोगों ने वर्षा जल संग्रहण के तरीके को जानने का प्रयास किया।

<u>परिणाम :</u>

श्री दुःशेश्वर महतों, बिजली विभाग, ग्राम– मथुरापुर, जिला– खगड़िया ये तब से आज नियमित वर्षा जल पीते हैं। घर आये मेहमान को भी वर्षा जल ही पीलाते हैं।

<u>मो0 महमूद जी–</u> ग्राम– खगड़िया बाजार, ये तब से आज तक वर्षा जल संग्रहण परिवार सहित पानी पीते हैं।

दक्षिणी मुसहरी घर–घर यानी प्रत्येक घर चाहे चदरा के द्वारा या पोलिथिन के द्वारा नियमित वर्षा जल संग्रहण करते हैं।